

सुखी संसार मिले ( ४० )

बाबुल की दुआएं लेती जा  
जा तुझको सुखी संसार मिले ।  
मैके की कभी ना यादि आये  
ससुराल में इतना प्यार मिले ॥

नाज़ों से तुझे पाला मैंने  
कलियों की तरह फूलों की तरह  
बचपन में झुलायो है तुझको  
बाहों में लली झूलों की तरह  
मेरे बाग की ऐ नाजिकु डाली  
तुझे हर पल नयी बहार मिले ॥१॥

जिस घर से बंधे हैं भाग तेरे  
उस घर में तेरा राज रहे  
होठों पै हसीं के फूल खिलें  
माथे पै खुशी का ताज रहे  
कभी जिसकी जोति न हो फीकी  
तुझे ऐसा रूपु श्रंगार मिले ॥२॥  
बीतें तेरे जीवन की घड़ियां

आराम की ठंडी छावों में  
कांटा भी न चुभने पाये कभी  
मेरी लाड़ली तेरे पावों में  
उस घर से भी दुख दूर रहे  
जिस द्वार से तेरा द्वार मिले ॥३॥

जिस नाथ की हो तुम प्राण प्रिया  
नितु उसके तुम सदा साथ रहो  
रहो मस्त सदां प्रिय मुहबत में  
सुख सागर में नितु नहात रहो  
मैगसि की दुआएं सदा साथ तोसों  
प्रभू कृपा का तुमको भण्डार मिले ॥४॥